वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 320 | सोमवार 20 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

बम रसिया और फूलों से खिले ब्रज होरी के रंग

54 कलाकारों के मिलकर बरसाए मनों फूलों की बीच खिला राधा-कृष्ण का मनोहारी रूप

जयपुर. कासं

ब्रज सुर मंडल की ओर से रवीन्द्र मंच पर 35वां ब्रज होरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कोरोना की पाबंदियों के कारण शहर में हर साल होने वाले इस समारोह की परंपरा टूट गई थी, उसी को फिर से जोड़ने के ब्रज सुर मंडल ने इस साल फिर से इस समारोह की शुरूआत की। ब्रज संस्कृति के रंग में रंगा यह कार्यक्रम करीब तीन घंटे तक चला जिसे बड़ी संख्या में आए पूर्वांचल के लोगों सहित शहर के लोगों ने देखा और हर अच्छी प्रस्तुति पर कलाकारों की जमकर हौसला अफजाई की। एक के बाद एक हुए कार्यक्रम में कभी ब्रज के मस्ती भरे गीत, कभी वहां के मनमोहक नृत्यों तो कभी फूलों की होरी से छलके ब्रज की अल्हड़ संस्कृति ने वहां मौजूद लोगों को अपने मोहपाश में बांध लिया। कार्यक्रम में पूर्वांचल के लगभग 100 लोक कलाकार रसिया, लांगुरिया, चरकुला, मयूर नृत्य, बम रसिया, फूलों की होरी, कृष्ण लीला एवं ब्रज संस्कृति के रंग में रंगी अनेक प्रस्तुतियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि न्यायाधिपति सुदेश बंसल, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मुख्य सचिव अरुण कुमार और सचिव डॉ. पुष्पेन्द्र पाल सिंह ने कृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इसके बाद जाने-माने गायक राधा बल्लभ सरस ब्रजवासी ने वंदना प्रस्तुत की, बिशनसिंह गुर्जर ने लांगुरिया नृत्य किया, मनीषा गुलयानी के निर्देशन में कलाकारों ने

कथक आधारित कृष्ण लीला की मन मोहक प्रस्तुति दी, अशोक शर्मा और साथी कलाकारों ने मयूर नृत्य और ब्रज की लट्ठमार होली प्रस्तुत की, हरिकिशन सैनी ने बम रसिया, होशियार सिंह नैनू ने चरकुला, राधा बल्लभ सरस ब्रजवासी और साथी कलाकारों ने कृष्ण लीला, उमर फारूख एवं साथियों ने भपंग वादन और होशियार सिंह नैनू ने बम नृत्य किया तो लोग वाह वाह कर उठे। इस मौके पर शिवराम गुर्जर ने अपने मुंह और नाक से अनेक वाद्यों की लय-ताल प्रस्तुत कर श्रोताओं का दिल जीत लिया। समारोह की अंतिम प्रस्तुति ऐसी थी मानों ब्रज का पूरा एक खंड मंच पर उतर आया हो। विभिन्न प्रस्तुतियों में शामिल 54 कलाकारों ने एक साथ मंच पर आकर एक सुर और एक लय पर फूलों की होली के जरिए भगवान श्री राधा कृष्ण के महारास को जीवंत कर दिया। इस मौके पर कलाकार होशियार सिंह नैनू और ब्रज सुर मंडल के वरिष्ठ कार्यकता और संस्कृति प्रेमी खेम कुमावत का ब्रज सुर मंडल के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा गुलयानी और भूपेंद्र भरतपुरी ने किया।

सियासी खेमेबाजी के बीच जन आक्रोश सभाओं पर ब्रेक

जयपुर. कासं

बीजेपी में सियासी खेमेबाजी और खींचतान के बीच प्रदेश के हर जिले में होने वाली बीजेपी की जन आक्रोश महासभाओं पर ब्रेक लग गया है। सिर्फ 16 मार्च को भरतपुर में ये कार्यक्रम होकर रह गया था और शेष जिलों में इसका इंतजार है। ये सभाएं 16 मार्च से 5 अप्रैल के बीच होनी थी। चूंकि भरतपुर में पार्टी की सभा हो चुकी है। ऐसे में अब इस पर ब्रेक लगने से पार्टी में सियासी गुटबाजी की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। तीन दिन गुजरने के बाद भी प्रदेश के किसी भी जिले में सभा का आयोजन नहीं होने को अलग-अलग सियासी दृष्टिकोण से देखा जा रहा है। रविवार तक हालात ये थे कि सभाओं के कार्यक्रम की जानकारी जुटाने के लिए पार्टी के कई नेता पूछताछ में लगे थे। गौरतलब है कि इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए केंद्र और प्रदेश स्तर के नेताओं को सभाओं में मुख्य वक्ताओं के रूप में बुलाने की पार्टी ने तैयारी की थी। बीजेपी में मार्च के महीने में दो बारऐसा मौका आया जब पार्टी में बिखराव दिखा। डॉ. किरोड़ीलाल और वीरांगना प्रकरण में प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के खिलाफ नारेबाजी हुई थी। जिससे पार्टी में बिखराव दिखा। बीजेपी के विधानसभा प्रदर्शन में अपेक्षा के अनुरूप भीड़ नहीं जुटी थी, जबकि उसी दिन और उसी समय पर पार्टी के अधिकांश लोग सालासर में थे।

चौमूं इलाके में तेज बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि

सड़क और खेतों पर बिछी ओलों की चादर, फसलों में भारी नुकसान

जयपुर. कासं

चौमूं उपखंड इलाके में रविवार दोपहर अचानक मौसम का मिजाज बदल गया और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। इसके साथ ही कई इलाकों में चने के आकार के ओले भी गिरे। इससे खेतों सहित सड़क किनारे ओले की चादर बिछ गई। वहीं, टोल प्लाजा के पास एक कच्चे घर की दीवार ढह जाने से भी करीब आधा दर्जन मवेशी चोटिल हो गए। चौमूं के एनएच 52 स्थित राजावास, रामपुरा, हरमाड़ा, प्रेमनगर, चेतावाला, टांटियावास टोल प्लाजा, मोटू का बास इलाके सहित कई गांवों में चने के आकार के ओले गिरे हैं।

बेमौसम बारिश के साथ ही ओले गिरने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीर छा गई। किसानों के खेतों में गेहूं, जौ की फसल को काफी नुकसान हुआ। वहीं, टोल प्लाजा के पास एक कच्चे घर की दीवार ढह जाने से भी करीब आधा दर्जन मवेशी चोटिल हो गए। वहीं, स्थानीय लोगों की मदद से ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू किया।

बेमौसम बारिश से किसान चिंतित

चौमूं उपखंड इलाके सहित आसपास के गांव में बेमौसम बारिश होने से किसान चिंतित और परेशान हैं। वहीं, इन दिनों खेतों में फसलों का कटाई कार्य जोरों शोरों से चल रहा है। अचानक मौसम बदलाव के चलते ओलावृष्टि और तेज बारिश से खेतों में ओलों की सफेद चादर बिछ गई। वहीं, गेहूं और जौ फसल पानी में भीग जाने से खराब हो गई, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीर छा गई। आमेर इलाके के राजावास, रामपुरा, टांटियावास टोल प्लाजा, चेतावाला, प्रेमनगर, राजारामपुरा, बांडी नदी, मोटू का बास सहित कई गांवों में तेज बारिश के साथ चने के आकार के ओले गिरे। वहीं, चौमूं उपखंड इलाके के मोरीजा, सामोद, गोविंदगढ़ इलाकों में रिमझिम बारिश हुई।

नैनवा में दिगंबर जैन 90 वृद्धजनों का हुआ भावभीना सम्मान समारोह हुआ

माला तिलक शाल और सम्मान पत्र देकर किया अभिनंदन

पारस जैन पार्श्वमणि की कलम से

नैनवा. शाबाश इंडिया। हाड़ी रानी कवि सूर्य मिश्रण की पावन वसुंधरा छोटी काशी के नाम से सुविख्यात प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण बूंदी जिले के अंतर्गत नेनवा कस्बे में 19 मार्च रविवार को शांति वीर धर्म स्थल बस स्टैंड पर दोपहर 1:30 बजे तारा संस्थान उदयपुर द्वारा वृद्ध जनों का सम्मान समारोह किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान महावीर के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवम अध्यक्षता समाज सेवी जैन गजट पत्रकार व्यवहार कुशल रविंद्र जी काला बूंदी ने की। मुख्य अतिथि देव लाल जैन गंगवाल बासी पुखराज जैन शैलेंद्र मारवाड़ा बाबूलाल बरमुंडा मोहनलाल मारवाड़ा रहे। महिलाओं में मोनिका मारवाड़ा ममता गोयल पिंकी जैन सभी को तिलक माला पहनाकर सम्मान किया गया। खंडेलवाल सरावगी समाज के अध्यक्ष बाबूलाल जैन पाटोदी ने सभी परिजनों को सम्मान की सूचना देकर इकट्ठा किया गया। दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता महावीर कुमार सरावगी ने बताया लगभग 90 परिजनों के लिए लिस्ट तैयार की गई जिन्हें तिलक माला दुपट्टा बनाकर से सम्मान किया गया। तारा संस्थान उदयपुर से आई श्रीमती कल्पना गोयल हमारी संस्था 2011 से कहीं योजनाएं लोगों तक पहुंचा रहिए निशुल्क आंखों का ऑपरेशन उदयपुर मुंबई दिल्ली फरीदाबाद वह लोनी आदि जगह आंखों के ऑपरेशन निशुल्क किए जा रहे हैं एक लाख से ऊपर की संख्या में लोगों के सफल ऑपरेशन हुए हैं विधवा पेंशन 1200 रुपए प्रति माह वृद्धों को दिया जाता है। निशुल्क भोजन की व्यवस्था हमारी संस्था तारा संस्था की प्रेरणा स्तोत्र डॉ कैलाश मानव बेहतरीन मदद करने में अपनी पहचान संस्था की बनाई है। सभी अतिथियों ने अपने अपने विचारों से लोगों को अवगत किया। पहली बार जिला बूंदी के अंदर वृद्धजनों जनों का सम्मान किया गया वृद्ध को बहुत प्रशंसा हुई महिलाएं पुरुषों का सभी 70/75 वर्ष के लोगों का भाव भी ना सम्मान किया गया। उक्त समस्त जानकारी दिगंबर जैन समाज प्रवक्ता युव महावीर कुमार जैन सरावगी नैनवा ने राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि को प्रदान की।

संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ अनुष्ठान एवं जैन भजन संध्या का हुआ आयोजन

श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ का पालना झूलाया

निवाई। शुभकामना परिवार निवाई के तत्वावधान में बसन्त विहार कालोनी स्थित जैन भवन पर संगीतमय णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र पाठ के साथ जैन भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान आदिनाथ महोत्सव के चलते संगीतमय भक्तामर पाठ का अनुष्ठान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सोभागमल दिनेश कुमार विनोद कुमार जैन सोगानी द्वारा भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अनुष्ठान की शुरूआत गायक सोभागमल सोगानी गायक विमल जौंला एवं विमल सोगानी ने संगीतमय 108 णमोकार मंत्र की प्रस्तुतियां दी।

होली स्नेह मिलन व गणगौर महोत्सव मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान प्रदेश वैश्य महासभा महिला कार्यकारिणी का होली स्नेह मिलन व गणगौर महोत्सव विद्याधर नगर स्थित महासभा कार्यालय में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर फाग गीतों पर प्रस्तुतियां व गणगौर माता की पूजा की गई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए वैश्य महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश चंद गुप्ता ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा नारनौली की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में मेहंदी प्रतियोगिता रंगोली फाग महोत्सव एवं गणगौर महोत्सव गणगौर की पूजा अर्चना के कार्यक्रम हुए। इस मौके पर जिलाध्यक्ष निशा कंदोई,प्रदेश अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल राजेश अग्रवाल रमेश गोयल उमेश नारनौली रेनू गर्ग,ललिता कंदोई, बीना शाह,सीमा गुप्ता, संगीता, सुरेखा, राधा अग्रवाल, मंजू जालौन, मंजू परवाल, नमिता केडिया, कविता परसरामपुरिया,कविता गोयल,संतोष पारीक, पिंकी अग्रवाल व पार्षद वार्ड नंबर 21 प्रियंका अग्रवाल मौजूद रही।

जयपुर रनर्स का मंथली रन

ग्रुप रनिंग से आप हमेशा मोटिवेटेड रहते हैं: मुकेश मिश्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर रनर्स क्लब ने अलादीन के सहयोग से आज फिर से अपना मासिक रन लॉन्च किया है। 5 , 10 और 21 किमी की दौड़ बापू नगर के मीलबर्ग रेस्तरां से शुरू हुई और जे एल एन मार्ग पर होती हुई वही पर समाप्त हुई। जयपुर रनर्स क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक शर्मा, सचिव राजेश चौधरी व उपाध्यक्ष प्रवीण जैन तिजारिया ने बताया कि यह रन स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने और शारीरिक व्यायाम के महत्व और शरीर पर इसके प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए जयपुर रनर्स क्लब के मिशन का एक हिस्सा था। टीम जयपुर में एक जीवंत रनिंग कम्युनिटी बनाने और अपने सदस्यों के लिए आकर्षक अनुभव बनाने में सफल रही है। जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष साधना आर्य और जयपुर रनर्स के सह-संस्थापक मुकेश मिश्रा ने दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुकेश मिश्रा ने कहा की बड़ी संख्या में लोगों का आना खासकर नये रनर्स का यह आयोजन की बड़ी सफलता थी। ग्रुप रनिंग हमेशा नियमित दिनचर्या को सही रखने में मदद करती है जिसमें ग्रुप का हर सदस्य एक दूसरे को प्रेरित करता है। कार्यक्रम का समापन धावकों को जलपान और ग्रुप फोटो के साथ किया गया । साधना आर्य ने कहा की जयपुर रनर्स क्लब की टीम को भरोसा है कि अलादीन के सहयोग से वे निकट भविष्य में ऐसे और रन करने में सक्षम होंगे।

राजस्थान में पहली बार हुआ अखिल भारतीय दृष्टिबाधित कवि सम्मेलन

इन्द्रलोक सभागार में महका कविता और रचनाओं का गुलदस्ता

जयपुर. शाबाश इंडिया

''कौए सुर में गा रहे, कोयल हो गई मौन, जब सब कुछ विपरीत हो तो बात करेगा कौन'' जैसी भावनात्मक रचनाओं से ओतप्रोत देशभर से आए दृष्टि बाधित कवियों ने अपना काव्यपाठ किया तो गुलाबी नगरी की रविवार की शाम में काव्य की रसधारा बह उठी। कविताओं और रचनाओं का यह महकता गुलदस्ता शहर के इंद्रलोक सभागार में खिला। राजस्थान में पहली बार इस अखिल भारतीय दृष्टिबाधित कवि सम्मेलन को अनुराग संगीत संस्थान ने संयोजित किया। शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के समक्ष संस्थान के संरक्षक व एआरएल ग्रुप के नंद किशोर-शांति पहाड़िया,मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी व संस्थान के संरक्षक सुधांशु-ऋतु कासलीवाल, अध्यक्षता कर रही स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड फॉर डिसेवल इंडिया की चेयरपर्सन निर्मला रावत व श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी के मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इसके बाद संस्थान के अध्यक्ष ज्ञानचन्द झांझरी,महामंत्री डॉ. अजीत जैन,मुख्य समन्वयक महेश काला, मुख्य संयोजक विमल बज,समन्वयक मनोहर पोपली,कश्वी जैन, आयोजन समिति की शांति देवी जैन, राजेन्द्र पापड़ीवाल, गुंजन जैन आदि जनों ने ने सभी अतिथियों व कवियों का तिलक, माल्यार्पण व शॉल ओढ़ाकर स्वागत व सम्मान किया। इसके बाद संस्थान के अध्यक्ष झांझरी ने स्वागत भाषण व महामंत्री डॉ.अजीत जैन ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी दी। इसके बाद आगरा से आई कवयत्री शायरा डॉ.आरफा शबनम ने मां शारदे,मां शारदे,माना कि मन में प्यार दे..और वाणी में तुम अमृत घोलो,जैन धर्म की जय बोलो,गुरुवर विद्यासागर तुम महावीर हो...जैसी काव्यमय पंक्तियों के माध्यम से भगवान महावीर को नमन किया। इसके बाद शुरू हुआ कवि सम्मेलन जिसमें छतरपुर से आए कवि अनुराग पाठक 'प्रबल' ने हुए बलिदान सीमा पर,जो दागे तुम्हें गोली,किसी मंदिर या मस्जिद में जाना बे-असर होगा.. मथुरा के रामखिलाड़ी स्वदेशी ने जिदगी की मेरी एक कहानी तो है,इस लहु में एक रवानी तो है....जैसी कविताएं सुनाकर श्रोताओं की खूब दाद पाई। कवि सम्मेलन को और परवान चढ़ाया खंडवा से आए कवि अकबर ताज ने जिन्होंने मुझे तू राम के जैसा या लक्ष्मण बना देना,सिया के मन के जैसी दर्पण बना देना। मुझे अंधा बनाया तो मुझको गम नहीं इसका,मेरी संतान को मगर श्रवण बना देना ....तो वहीं बेगूसराय से आए कवि शिवशंकर उपाध्याय 'अंतरंग' ने अपनी भावनाओं को इन पंक्तियों से व्यक्त करते हुए कहा कि पांच तत्वों से मिलकर हुए हम,चंद कांगज के टुकड़ों में क्यों बंट गए हम,सारी धरती को परिवार कहते रहो,फिर नक्षों ने बांधे हमारे कदम..जैसी रचनाएं सुनाकर सभी का मन जीत लिया। इस मौके पर पटना के शैलेन्द्र शैल ने कौए सुर में गा रहे,कोयल हो गई मौन।जब सब कुछ विपरीत है तो बात कौन करेगा...जैसी काव्य रचनाओं ने अपनी बात बयां की। इस मौके पर कवि सम्मेलन में भोपाल के राधेश्याम पंवारिया, आगरा से शायर डॉ. आरफा शबनम व बाल कवयत्री कु.फाल्गुनी ने कविताएं सुनाई। इस मौके पर अन्य अतिथियों में समाज कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. अर्चना शर्मा व राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के केएल जैन थे। इस मौके पर श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन दौसा वाले व मंत्री हेमंत सौगानी,सुरेष सबलावत दिगम्बर जैन सोश्यल ग्रुप राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या,रुपिन काला,मीना चोधरी,सुभाष बज,राकेश छाबड़ा,भारत भूषण अजमेरा,डॉ.राजेन्द्र जैन सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वेद ज्ञान

परमात्मा को शक्ति...

जब मनुष्य की सभी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं और वह स्वयं को लाचार महसूस करता है तब उसे परमात्मा की शक्ति पर भरोसा करना चाहिए। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य किसी भी क्षण चमत्कार कर सकता है। जो व्यक्ति प्रत्येक क्षण परमात्मा की शक्ति पर विश्वास बनाए रखते हैं वह कभी परेशान-हैरान नहीं रहते, बल्कि ऐसे व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों को भी अपने पक्ष में करने की क्षमता रखते हैं। परमात्मा की शक्ति असीम होती है और इसके बल पर मनुष्य कुछ भी प्राप्त कर सकता है। परमात्मा की शक्ति से मनुष्य असंभव लगने वाले कार्य को भी बेहद सरलता से हल कर सकता है। जब मनुष्य के मन में परमात्मा के प्रति भक्ति भाव जाग्रत होता है तो उसे कुछ भी अपने विपरीत लगता ही नहीं। ऐसे व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति का आनंद लेते हैं और यह मानते हैं कि प्रतिकूल परिस्थितियां भी उनके अनुकूल ही हैं। ऐसे में मनुष्य को लगता है कि प्रत्येक कार्य परमात्मा की इच्छा से ही हुआ है, इसलिए विपरीत परिस्थितियां भी जरूर उनके हित में होंगी। ऐसे व्यक्ति अपना सर्वस्व परमात्मा के ऊपर छोड़ देते हैं और उनके जीवन में बुरा समय भी आता है तो वे उसका मुकाबला धैर्य और साहस से करते हैं। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो भी मेरी शरण में आता है वह भवसागर पार कर लेता है। मनुष्य को हमेशा यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि उसके विकास का आधार आलस्य नहीं, बल्कि विषम परिस्थितियां हैं। इसलिए उसे विपरीत समय में संताप करने के बजाय डटकर उसका मुकाबला करना चाहिए। मनुष्य अपने धैर्य, साहस और बुद्धि के पराक्रम से किसी भी तरह की परिस्थिति का सामना कर सकता है। जो व्यक्ति स्वयं अपनी मदद करते हैं उन्हें ही परमात्मा की शक्ति प्राप्त होती है। इसलिए मनुष्य को अपने जीवन के हर मोड़ पर सीखने का भाव और कठिन परिस्थिति को जीवन में आगे बढ़ने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में परमात्मा की शक्ति की आवश्यकता होती है। इसलिए उसे हमेशा परमात्मा को याद करते रहना चाहिए। फिर चाहे वह सुखमय जीवन जी रहा हो या फिर उसका जीवन संकट में हो। कवि कहता है कि दुख में हर कोई परमात्मा को याद करता है, लेकिन सुख में नहीं।

संपादकीय

संकीर्ण मानसिकता बेहद घातक

दुनिया के बेशक सिकुड़ कर एक गांव में बदल जाने और शिक्षा, स्वास्थ्य, रहन-सहन आदि मामलों में आधुनिक सोच आने का दावा किया जा रहा हो, पर हकीकत यह है कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी कई मामलों में संकीर्ण मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाया है। खासकर महिलाओं के मामले में पुरुष सत्ता का हिंसक बर्ताव आधुनिक माने जाने वाले तबकों में भी देखा जाता है। किसी दूसरी जाति के लड़के से विवाह करने पर इज्जत के नाम पर लड़की की हत्या कर दी जाती है। आज भी बहुत सारे लोग अपनी बहुओं को परदे में ही रखना चाहते हैं, उन्हें नौकरी आदि करने की इजाजत नहीं होती। ऐसा ही ताजा मामला दिल्ली का है, जिसमें एक ससुर ने अपनी बहू के सिर पर ईंट से मार कर उसे इसलिए घायल कर दिया कि वह किसी नौकरी के लिए साक्षात्कार

देने जा रही थी। ससुर नहीं चाहता था कि उसकी बहू नौकरी करे। इसे लेकर दोनों के बीच पहले भी काफी बहस हुई थी, मगर बहू जिद करके साक्षात्कार के लिए निकल पड़ी। वह नौकरी करके परिवार को सहारा देना चाहती थी। मगर ससुर को यह रास नहीं आया। उसके हमले से बहू गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह कोई पहला मामला नहीं है। आज भी ग्रामीण इलाकों और कुछ सामंती मिजाज के परिवारों में बहुओं को घर की चारदीवारी में, परदे के पीछे ही कैद रखने का प्रयास किया जाता है। उनका घर से बाहर निकल कर कहीं नौकरी करने जाना अच्छा नहीं माना जाता। कई परिवारों में तो विवाह से पहले ही करार कर लिया जाता है कि उनकी बहू घर में ही रहेगी, नौकरी नहीं करेगी। इस तरह बहुत सारी लड़कियां पढ़-लिख कर भी अपनी इच्छा के मुताबिक काम का चुनाव नहीं कर पातीं। विचित्र है कि इसमें उनके पति भी अपने माता-पिता का साथ देते हैं। फिर यह सवाल भयावह रूप से हमारे समाज में सिर उठाता है कि बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ जैसे नारे कहां तक सार्थक हो पाएंगे। लड़कियों को लड़कों के बराबर अधिकार देने की वकालत की जाती है। बहुत सारे सुलझे हुए परिवार अपनी बेटियों को पढ़ाने-लिखाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। उन्हें अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाते हैं। मगर विवाह के बाद अगर वे ऐसे दकियानूसी परिवारों में कैद होकर घुटने लगती हैं, तो उनकी शिक्षा और सोच-समझ, काबिलियत का कोई मोल नहीं रह जाता। इस तरह ताजा घटना में जिस ससुर ने अपनी बहू को ईंट मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, उसे उसकी पढ़ाई-लिखाई और सामाजिक परिवेश की दृष्टि से पिछड़ा तो कह सकते हैं। मगर यह दकियानूसी सोच केवल तथाकथित कम पढ़े-लिखे और पिछड़े समाजों में नहीं है। कई मामलों में अत्यंत निचला माने जाने वाले तबके की महिलाएं कामकाज के मामले में कुछ अधिक स्वतंत्र हैं। वे घर से निकल कर मजदूरी करने, दुकान चलाने या घरों-दफ्तरों आदि में काम करने जाती हैं। मगर विचित्र है कि दिल्ली जैसे अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले शहर में भी ऐसी संकीर्ण सोच के लोग आज भी मौजूद हैं, जो अपनी बहू-बेटियों को घर की चारदीवारी में कैद करके उन्हें घुटने पर मजबूर करते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कम होता घाटा...

अर्थव्यवस्था के लिए यह अच्छा संकेत है कि देश का व्यापार घाटा काफी कम हो गया है। व्यापार घाटा उस अंतर को कहते हैं जो आयात और निर्यात के बीच होता है। जब कोई देश आयात अधिक और निर्यात कम करता है, तो उसका व्यापार घाटा अधिक होता है। अच्छी अर्थव्यवस्था के लिए आयात और निर्यात में संतुलन जरूरी माना जाता है। इस दृष्टि से पिछले कुछ वर्षों में भारत का व्यापार घाटा काफी बढ़ गया था। इसलिए इसे पाटने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा था। अब व्यापार घाटा घट कर 17.43 अरब डालर तक पहुंच गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ महीनों में इस व्यापार घाटे में कमी या बढ़ोतरी आयात संबंधी जरूरतों पर निर्भर करेगी। दरअसल, फिलहाल व्यापार घाटे में आई कमी की बड़ी वजह आयात में की गई कमी है। हालांकि अच्छी स्थिति यह मानी जाती है कि देश का निर्यात बढ़ाया जाए। मगर आयात के साथ-साथ निर्यात में भी कमी आई है। बल्कि निर्यात में कमी की दर आयात से अधिक है। आयात में 8.2 फीसद की कमी आई है, तो निर्यात में 8.8 फीसद की। इस लिहाज से इसे बहुत सुखद स्थिति नहीं माना जा सकता। दरअसल, सरकार ने व्यापार घाटा पाटने के लिए रणनीति बनाई कि अनावश्यक आयात पर अंकुश लगाया जाए। जिन वस्तुओं का अपने देश में पर्याप्त उत्पादन होता है, उन्हें बाहर से मंगाने पर रोक लगाई जाए। यही आत्मनिर्भर भारत का उद्घोष भी है। इस लिहाज से आयात किए जाने वाले तीस प्रमुख उत्पादों में से सोलह के आयात में कमी आई है। उनमें सोना, उर्वरक, कच्चा तेल, वनस्पति तेल, रसायन, मोती, मशीनरी तथा इलेक्ट्रानिक वस्तुओं के आयात में कमी आई है। मगर कोयला, प्लास्टिक की वस्तुओं, लोहा, इस्पात तथा परिवहन उपकरणों का आयात बढ़ा है। मगर इनमें से कितनी वस्तुओं के मामले में लंबे समय तक आत्मनिर्भर रहा जा सकता है, देखने की बात है। निर्यात घटने के पीछे कारण बताया जा रहा है कि चूंकि दुनिया भर में वस्तुओं की मांग घटी है, इसलिए स्वाभाविक रूप से निर्यात भी घटा है। मगर हमारे यहां निर्यात के संतोषजनक स्तर पर न पहुंच पाने को लेकर चिंता वैश्विक अर्थव्यवस्था के लड़खड़ाने से पहले से की जा रही है। फिर जिन स्थितियों का हवाला दिया जा रहा है, उनके जल्दी सुधरने की कोई सूरत भी नजर नहीं आती। इसलिए व्यापार घाटे के रुख में कितना स्थायित्व रह पाएगा, दावा नहीं किया जा सकता। आज के दौर में कोई भी देश पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो सकता, उसे दूसरे देशों से कुछ न कुछ चीजें आयात करनी ही पड़ती हैं। खासकर विकासशील देशों को कुछ अधिक ही आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में रसायनों, कच्चे तेल, वनस्पति तेल, इलेक्ट्रानिक उपकरणों आदि के मामले में भारत लंबे समय तक आयात पर अंकुश नहीं लगा सकता। दवा निर्माण और इलेक्ट्रानिक उपकरणों आदि के मामले में वह दूसरे देशों पर निर्भर है। इसके बरक्स वह जिन वस्तुओं का उत्पादन अधिक और गुणवत्तापूर्ण करता है, उनका बाजार उसे तलाशना होगा। कोयला, लोहा और इस्पात के मामले में वह उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे सकता है, मगर इनका आयात बढ़ रहा है। निर्यात बढ़ाने के लिए दुनिया में जिस तरह नए बाजार तलाशने और अपनी जगह बढ़ाने के लिए रणनीति बनाने की जरूरत होती है, वह शायद नहीं हो पा रहा, जिसकी वजह से निर्यात नहीं बढ़ पा रहा।

तप त्याग व गुणगान के साथ मनाया गया-अहिंसा की देवी साध्वी .यशकंवर जी म,सा 105 वी जन्मजयंती समारोह

रुई कटला जैन स्थानक पाली में

पाली। संत शिरोमणी प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने रविवार को आचार्य रूघुनाथ स्मृति भवन रूई कटला मे राजस्थान प्रवर्तनी यशकंवर जी म.सा के 105 वें जन्मजयंती सभा मे गुणगान समारोह मे उपस्थित श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवों कि रक्षा के लिये यशकंवर जी म.सा ने धर्म के नाम पर लाखो निर्दोष पशुओं की बलि दी जाने वाली बलि प्रथा को मेवाड़ जोगणिया माता मे बंद करवा के अहिंसा के संदेश को जन - जन तक पहुचाया, यशकंवर जी अहिंसा कि देवी थी। वैष्णव कुल में जन्म लेकर संयम अंगीकार करके भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांत अहिंसा व्रत का पालन करते हुये जैन धर्म की अलख जगाई।

नवसंवत्सर का होगा जोरदार स्वागत

आठ दिशाओं में जायेगें श्वेत अश्व,नवसंवत्सर का करेंगे प्रचार-प्रसार, 10 दिवसीय होंगे कार्यक्रम, मंदिरों में गूंजेंगे घंटे-घडियाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय संस्कृति के पावन उत्सव चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय नववर्ष नव संवत्सर 2080 प्रारम्भ हो रहा है। इसके स्वागत के लिए 10 दिवसीय नव संवत्सर उत्सव बड़े ही धूमधाम से जयपुर में आयोजित किया जायेगा। संस्कृति युवा संस्था एवं नव संवत्सर उत्सव समारोह समिति के अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि 20 मार्च से 30 मार्च तक 10 दिवसीय विभिन्न कार्यक्रम नव संवत्सर उत्सव के रूप में आयोजित किये जायेगें। जिसमें 20 मार्च को नव संवत्सर के स्वागत के लिये चार सफेद अश्व छोडे जायेगें। ये अश्व वास्तु के हिसाब से आठ दिशाओं में ईशान में खोले के हनुमानजी मंदिर, पूर्व में गलता, आग्नेय में गोनेर मंदिर, दक्षिण में सांगा बाबा, नैऋत्य में स्वामी नारायण मंदिर, पश्चिम में हाथोज हनुमान जी, वायव्य में कदम्ब डूंगरी व उत्तर में आमेर में काले हनुमान मंदिर जी के लिये छोडे जायेगे और नव संवत्सर का अनूठे तरीके से प्रचार-प्रसार करेगें। भारतीय संस्कृति और नव संवत्सर का प्रचार करने के लिये यह श्वेत अश्व जयपुर शहर के सभी प्रमुख स्थानों से होते हुए मंदिरों में जायेगें। मिश्रा ने बताया कि एक जमाने में अश्व छोडने की परम्परा थी उसके माध्यम से राजा लोग अपने साम्राज्य का विस्तार करते थे। लेकिन हम जयपुर में यह अनूठा एवं अद्भुत आयोजन इस लिये कर रहे है कि जयपुर की लगभग पूरी आबादी को नव संवत्सर के प्रति जागरूक किया जा सके। इस बहाने युवाओं में कौतूहल एवं जाग्रति आयेगी। नवसंवत्सर उत्सव समारोह समिति के संयोजक पं. देवीशंकर शर्मा ने बताया कि इन सभी श्वेत अश्व को आज चौड़ा रास्ता स्थित तारकेश्वर मंदिर से सुबह 10:00 बजे रवाना करेगें। इनका विधिवत पूजन कर वैदिक रीति से किया जायेगा और विभिन्न मंदिरों के संत- मंहत उनकी आरती उतारकर रवाना करेंगे।

आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने कहा...

समाज धर्म हमारे जीवन की सुरक्षा करता है

मुरार में हुआ गुरुमां का भव्य मंगल प्रवेश

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरार-ग्वालियर। अनेकता में एकता भारत की विशेषता है। अनेक होते हुए भी एक हैं । समाज की एकता भी जरूरी है। समाज में अनेकता तो है पर एकता नहीं है। समाज में भिन्न भिन्न विचारों के, भिन्न भिन्न सोच के, भिन्न भिन्न रुचि के, भिन्न भिन्न कलाओं के व्यक्ति होते हैं । अलग अलग सोच बालों से ही पूर्णता आती है । जिस प्रकार फूलों के गुलदस्ते में यदि एकही प्रकार के फूल होंगे तो शायद वह इतना अच्छा न लगे, लेकिन यदि उस गुलदस्ते में विभिन्न प्रकार के फूल होंगे तो उसकी सुंदरता में चार चांद लग जायेंगे । इसी प्रकार समाज में भी भिन्न भिन्न विचार और सोच के व्यक्ति होते हैं । सभी को अपनी सामर्थ और योग्यतानुसार समताभाव रखते हुए एकजुटता से कार्य करना चाहिए । उक्त विचार पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने मुरार मंगल प्रवेश के अवसर पर जैन धर्मशाला में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। जैन साध्वी गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का ग्वालियर के उपनगर मुरार में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। स्वस्तिधाम प्रणेत्री, विदुषी लेखिका, भारत गौरव परम पूज्य गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी एवं गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण माताजी के मुरार में मंगल प्रवेश की भव्य एवं विशाल शोभायात्रा में चारों ओर जनमानस ही जनमानस दिखाई दे रहा था। बताया जाता है कि गुरुमां श्री स्वस्तिभूषण माताजी का 13 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद मुरार आगमन हुआ है । चूंकि मुरार नगर में गुरुमां का पूर्व में चातुर्मास हो चुका है, इसी कारण यहां पर गुरुमां के भक्तों की संख्या अधिक है। आर्यिका संघ की अगवानी के लिए नगर के सात नम्बर चौराहे पर बहुतायत संख्या में महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे उपस्थित थे। नगर के सात नम्बर चौराहे पर समाज बन्धुओं ने पूज्य गुरुमां की अगवानी की। वहां से बैंडबाजों के साथ विशाल एवं भव्य शोभायात्रा प्रारम्भ हुई, जो नगर भ्रमण करती हुई जैन धर्मशाला पहुचीं । शोभायात्रा में महिलाएं एक विशेष परिधान में गुरुमां की भक्ति करती हुई चल रहीं थीं। पुरुषवर्ग भक्ति गीतों पर नृत्य कर रहे थे । सभी लोग पंच परमेष्ठी की जय जयजयकार करते हुए चलायमान थे।

जम्बूद्वीप तीर्थ कमेटी ने किया मोहन भागवत का अभिनंदन

हस्तिनापुर. शाबाश इंडिया। जम्बूद्वीप हस्तिनापुर में चल रहे त्रिदिवसीय भारतीय किसान संघ सम्मेलन कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानीय संघप्रमुख मोहन भागवत का आगमन जम्बूद्वीप स्थल पर हुआ जिसमें उनके द्वारा कार्यक्रम में अनेक सत्र के माध्यम से किसानों को संबोधन दिया गया एवं जिला संघ संचालकों एवं कार्यकताओं को मुख्यरूप से मोहन भागवत ने संबोधन दिया। संस्थान के प्रमुख विजय कुमार जैन ने मोहन भागवत का जम्बूद्वीप-हस्तिनापुर पहुॅचने पर कमेटी की ओर से हार्दिक अभिनंदन किया एवं तीर्थ के विषय में जानकारी देते हुए विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर संस्थान के प्रतिनिधियों के द्वारा मोहन भागवत का स्वागत सम्मान किया गया। जिसमें शॉल, अंगवस्त्र, संस्थान के द्वारा प्रकाशित साहित्य एवं जम्बूद्वीप की प्रतिकृति का प्रतीक चिन्ह विजय कुमार जी ने समिति के सदस्यों के साथ प्रदान किया। भागवत ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा सौभाग्य कि जम्बूद्वीप तीर्थ पर प्रवास का अवसर प्राप्त हुआ। पूज्य ज्ञानमती की कर्मभूमि पर आने का अवसर मिला। यह समापन नहीं प्रारंभ है। अब में हस्तिनापुर में इस स्थल पर आता रहूंगा। बहुत शांतपूर्ण एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सम्पन्न है यह क्षेत्र। इस अवसर पर माननीय भागवत जी को अध्योया में विराजमान गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के दर्शन के लिए आमंत्रण दिया गया।

श्री दिगम्बर जैन भव्योदय अतिशय क्षेत्र रैवासा की नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

महावीर प्रसाद ठोलिया अध्यक्ष एवं सुनील बड़जात्या महामंत्री बने

सीकर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन भव्योदय अतिशय क्षेत्र रैवासा की नवीन कार्यकारिणी का गठन शनिवार को टीकमगढ़ महरौनी क्षेत्र पर निर्यापक मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के सानिध्य में निर्विरोध सम्पन्न हुआ ।सीकर जैन समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम के दौरान हुई घोषणा में परम संरक्षक अशोक पाटनी आर के मार्बल समूह , महावीर गंगवाल हाथीगोला वाले , विद्याप्रकाश दीवान सूरत व सीकर के दीपचन्द काला और शशि दीवान और गौरव अध्यक्ष निर्मल झांझरी दांता वाले व उत्तमचंद पांड्या खोरा वाले को मनोनीत किया गया । अध्यक्ष महावीर प्रसाद ठोलिया, कार्याध्यक्ष देवेन्द्र छाबड़ा बॉबी, उपाध्यक्ष भागचंद सेठी व संजय छाबड़ा रैवासा वाले ,महामंत्री सुनील बड़जात्या, मंत्री मनोज बज, उपमंत्री पंकज छाबड़ा दुधवा वाले व संजय बड़जात्या, कोषाध्यक्ष विकास लुहाड़िया सुरेरा वाले , कार्यकारिणी सदस्य जयकुमार बड़जात्या , मनीष रारा, विजय कुमार टोंग्या, गजेन्द्र ठोलिया, पिंकू रारा, विमल झांझरी रेटा को मनोनीत किया गया ।

''ग्रेजुएशन सेरेमनी फ्लोरेंस 2023'' का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा संचालित ''महावीरा'' प्री-प्राइमरी विंग में शिक्षा परिषद के सानिध्य में ''ग्रेजुएशन सेरेमनी फ्लोरेंस 2023'' का आयोजन किया गया इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री उमराव मल संघी, उपाध्यक्ष श्री मुकुल कटारिया, मानद मंत्री श्री सुनील बख्शी, संयुक्त मंत्री श्री कमल बाबू जैन, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला, कार्यकारिणी सदस्य श्री मुकेश सोगाणी ने सर्वप्रथम भगवान महावीर एवं मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया। विद्यालय आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी ने अपने स्वागतोदगार में विद्यार्थियों को कर्तव्य निष्ठा एवं सहयोग की भावना के लिए प्रेरित किया । संस्था के मानद मंत्री ने पूरे वर्ष होने वाली विद्यालय गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपने एवं नाटक के माध्यम से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया । मेधावी विद्यार्थियों को आद्वितीय खिताब के साथ सम्मानित किया गया एवं इसके साथ ही बेस्ट प्यूपिल अवार्ड - निया वर्मा; हाईएस्ट अटेंडेंस अवार्ड - अंकिता थापा; महावीरा प्रिंस- प्रज्ञ दाधीच, महावीरा प्रिंसेस - कश्वी गोधा को अवार्ड प्रदान किए गए। संस्था के संयुक्त मंत्री श्री कमल बाबू जैन ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्री-प्राइमरी विंग समन्वयक श्रीमती निकिता कुम्भट ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया ।

नेट थिएट पर बेहमी बानियो नाटक

एक लोकेट ने दर्शकों खूब गुदगुदाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रंखला में आज प्रोग्रेसिव फॉर्म संस्था की ओर से वरिष्ठ नाट्य गुरु सरताज नारायण माथुर द्वारा रूपांतरित एवं निर्देशित नाटक ''बेहमी बानियो'' ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। कथासार: मोलियर लिखित द डिसीव्ड हस्बैंड का बेमि बान्यो राजस्थानी रूपांतरण है जिसके रूपांतरकार सरताज माथुर हैं। अतिनाटकीय शैली का नाटक ' बेमी बाण्यो ' दर्शकों को हंसाने में कोई कसर नहीं छोड़ता। इसके सभी पात्रों का निर्माण भी अतिनाटकीय ढंग से ही किया गया है। प्रेमी द्वारा प्रेमिका को दिए लॉकेट के ,किसी और के हाथ लग जाने से पात्रों के मध्य असमंजसता जन्म लेती है। वाद , विवाद में परिवर्तित हो जाता है और विवाद हाथा- पाई में ,जो कि दर्शक का बखूबी मनोरंजन करता है। इस नाटक का मुख्य उद्देश्य मात्र मनोरंजन है। नाटक में भव्य जैन, रिचा शर्मा, अनुकृति दुबे, मोहित कुमावत, विवेक जाखड़, निशांत साहू, श्वेता खत्री, विशाल कोटवानी, खुशबू बसदानी, रोहित परिहार और पंकज हेमनानी ने अपने अभिनय से नाटक के दर्शकों को खूब हंसाया और अपनी हाव भाव भंगिमाओं के माध्यम से अपनी कला की अमित छाप छोड़ी। नाटक में मंच प्रबंधन एवं वेशभूषा गरिमा सिंह, संगीत हितेश खत्री, मंच सज्जा गिरीश यादव, मंच सहायक अक्षय मीणा, अनिल कुमार एवं देवेश शर्मा का रहा।

महावीर जयंती की तैयारियों के लिए मीटिंग का आयोजन

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। महावीर जयंती के तहत बाहुबली जैन वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में स्वाध्याय भवन में विभिन्न संगठनों की मीटिंग आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता सोहनलाल गंगवाल ने की। सोसायटी के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार छाबड़ा ने बताया कि महावीर जयंती महोत्सव को भीलवाड़ा स्तर पर भव्य रूप से मनाना है। महावीर स्वामी के सिद्धांतों, बताए मार्ग को इस जयंती में प्रतिपादित करना है। महिला एवं युवा संगठनों ने महावीर जयंती पर अपनी ओर से अच्छे कार्यक्रम को प्रस्तुत करने पर अपने विचार व्यक्त किए। राजकुमार चौधरी, वीरेंद्र कुमार छाबड़ा, विकास पाटनी, पराग चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर आदिनाथ महिला मंडल आर. के.कॉलोनी, बाहुबली महिला मंडल, आदिनाथ महिला मंडल चंद्रशेखर आजाद नगर, महासमिति मैत्री संभाग, जैनेंद्र महिला मंडल, पार्श्वनाथ महिला मंडल, आदिनाथ नवयुवक मंडल आदि संगठनों ने भाग लिया। इसके अलावा एन .सी.जैन अनिल जैन सहित सोसाइटी के कई सदस्य उपस्थित थे।

वैश्य एकता दिवस एवं होली मिलन समारोह का कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन महिला विंग जयपुर सेंट्रल की कार्यकारिणी सदस्यों एवम पदाधिकारियों ने वैश्य एकता दिवस एवम होली मिलन समारोह का कार्यक्रम साथ मनाया । जिला अध्यक्ष मीना जैन चौधरी एवं सचिव सुषमा महेश्वरी ने बताया17 मार्च को रखी गई मीटिंग में आगे होने वाले एजेंडा को डिस्कस किया गया, काफी विषयों पर चर्चा हुई, आगे आने वाले कार्यक्रम को किस तरह किया जाए उसकी रूपरेखा तैयार की गई, मीटिंग में प्रदेश की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति खंडेलवाल भी उपस्थित थी। वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष सारिका जैन, ऋतु जैन, रश्मि छाबड़ा और भी पदाधिकारियों की उपस्थिति रही मीटिंग के पश्चात वैश्य एकता दिवस एवं होली मिलन समारोह का कार्यक्रम रखा गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान महावीर के 2621 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

मुख्य प्रायोजक R K GROUP Kishangarh, Rajasthan WONDER CEMENT www.rkmarble.com | www.wondercement.com
सह प्रायोजक ARL Infratech Ltd.
सह प्रायोजक समाचार जगत

विभिन्न संस्थाओ के सहयोग से 30 स्थानों पर

रक्तदान शिविर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये ।।

मानव सेवार्थ 2621 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ निम्न 30 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

क्र.सं.	रक्तदान शिविर		रक्तदान शिविर स्थल	शिविर आयोजक	रक्तदान शिविर आयोजक			
	दिनांक	समय			अध्यक्ष	मंत्री/सचिव	सम्मानीय अतिथि	संयोजक
1.	14 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर दिगम्बर जैन कॉलेज सी-स्कीम, जयपुर	श्री दिगम्बर जैन महावीर शिक्षा परिषद् सी-स्कीम, जयपुर	श्री उमराव मल संघी	श्री सुनिल बक्शी	--	डॉ. आशीष गुप्ता डॉ. मिनल शर्मा डॉ. नेहा गंगवाल
2.	17 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	संयम भवन, श्री दिगम्बर जनकपुरी जैन मन्दिर ईमली फाटक, जयपुर	प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति जनकपुरी जैन मन्दिर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोरएवर युवा मण्डल जनकपुरी जैन मन्दिर	श्री पदम बिलाला श्रीमती शकुन्तला बिन्दायका श्री अमित शाह	श्री देवेन्द्र कासलीवाल श्रीमती सुनिता गंगवाल श्री प्रतीक जैन	श्रीमती कमलेश-मनीष ठोलिया श्री विनय, नवीन सेठी	श्रीमती उर्मिला-राकेश जैन श्रीमती अनिता-कैलाश बिन्दायका
3.	19 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	जैन भवन प्रेम कॉलोनी कल्याण नगर, टोंक रोड़	श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कल्याण नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमण्ड	श्री उत्तम राणा श्री प्रमोद जैन सोनी	श्री दिनेश धाड़ूका श्री रमेश छाबड़ा	श्री यशकमल-संगीता अजमेरा	श्री अमरचन्द-बीना गंगवाल श्री प्रवीण-मैना मित्तल
4.	19 मार्च	प्रात: 9 से 2 बजे तक	श्री आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग जैन मन्दिर साकेत हॉस्पिटल के पास, मानसरोवर	सखी गुलाबी नगरी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर	श्रीमती सारिका जैन श्री सुशील कुमार जैन	श्रीमती स्वाति जैन श्री राजेन्द्र कुमार सेठी	श्रीमती रश्मि-गजेन्द्र काला	श्रीमती मनिषा जैन श्रीमती रेशमा गोदिका श्रीमती आशा जैन श्रीमती रानी पाटनी
5.	19 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	वेलटन हॉस्पिटल, 219-220, महावीर नगर, जैन मन्दिर के पास, टोंक रोड़, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री	श्री सुनिल बज श्री सुनिल बड़जात्या	श्री विनोद बड़जात्या श्री अजय जैन	-------	श्री कैलाश-शशि पाटनी श्री महावीर-मुन्ना देवी पाण्ड्या श्री रितेश-रीना अजमेरा श्री अमित-प्रीति जैन
6.	19 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर SFS, राजावत फार्म, मानसरोवर, जयपुर	श्री वर्धमान दिगम्बर जैन समिति श्री वर्धमान दिगम्बर जैन युवा मण्डल श्री वर्धमान दिगम्बर जैन महिला मण्डल	डॉ. राजेश काला श्री संदीप गंगवाल श्रीमती उर्मिला पाटनी	श्री सोभागमल जैन श्री जिनेन्द्र जैन श्रीमती उषा पापड़ीवाल	श्रीमती कुमकुम जैन श्री साकेत-सोनिया जैन श्री आदेश-प्रियंका जैन कुमकुम फोटा स्टूडियो, मानसरोवर	श्री कमलेश पाण्ड्या
7.	19 मार्च	प्रात: 11 से 2 बजे तक	अग्रवाल प्रोपर्टीज NRI जंक्शन, महल रोड़, जगतपुरा	अग्रवाल प्रोपर्टीज jaipurflat.com	श्री अशोक अग्रवाल श्री मुरारी लाल	-------	-------	श्री राकेश कुमार संघी
8.	19 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	मंगलधाम, टोडरमल स्मारक भवन बापू नगर, जयपुर	दिगम्बर जैन महासमिति सी-ईकाई बापू नगर, जयपुर	श्री हीराचन्द बैद	श्री राकेश संघी	CA प्रदीप-सरोज जैन CA आशीष-अन्नू जैन	श्री कैलाश बक्शी
9.	22 मार्च	प्रात: 10 से 5 बजे तक	कार्यालय भवन, सीतापुरा इण्डस्ट्रीज एसोशियन सीतापुरा, जयपुर	सीतापुरा इण्डस्ट्रीज एसोशियन सीतापुरा, जयपुर	श्री निलेश अग्रवाल	श्री शोभित शर्मा	-------	श्री अनिल संघी
10.	23 मार्च	प्रात: 11 से 3 बजे तक	राजवंश पब्लिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल बरकत नगर, गली न. 8, टोंक फाटक	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सम्यक्	श्री महावीर बोहरा	डॉ. इन्द्रकुमार जैन	श्री पुष्पेन्द्र कुमार जी	श्रीमती सीता चौहान श्री नवल जैन
11.	24 मार्च	दोपहर 12 से सायं 4 बजे	TATA AIG General Ins. Co. Plot No. C-93-94, Off. No. 101-103, Fortune Heights, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur	TATA AIG General Ins. Co. Plot No. C-93-94, Off. No. 101-103, Fortune Heights, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur	श्री अमित कुमार शर्मा श्री सुनिल जैन	-------	-------	श्री अमित कुमार शर्मा श्री सुनिल जैन
12.	24 मार्च	दोपहर 3 से सायं 7 बजे	A.D. Enterprises (ADEN) B-15, ट्रांसपोर्ट नगर, LIC के पास, आगरा रोड़	A.D. Enterprises (ADEN)	श्री नितिन जैन श्री समकित जैन	-------	श्री दिनेश-संगीता गंगवाल	श्री नितिन जैन श्री समकित जैन
13.	25 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, सेक्टर-3, सत्कार शोपिंग सेन्टर, मालवीय नगर, जयपुर	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर ट्रस्ट दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक	श्री सी.एल. जैन श्री सतीश बाकलीवाल	------- श्री अजीत बड़जात्या	श्री वीरेन्द्र कुमार-शान्ता जैन	श्री पवन-रेखा ठोलिया श्री राजकुमार-स्नेहलता जैन
14.	25 मार्च	प्रात: 9 से 2 बजे तक	नवकार किचन एण्ड् हार्डवेयर शॉप नं. 22, सन्नी मार्ट, न्यू आतिश मार्केट, जयपुर	श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा, जिला जयपुर भारतीय जैन मिलन, जयपुर भारतीय जैन मिलन, महिला विंग	श्री अनिल जैन श्रीमती पूनम तिलक	श्री तरूण जैन श्रीमती अनिता जैन	डॉ. अर्चना शर्मा अध्यक्ष-राज. राज्य समाज कल्याण बोर्ड	श्रीमती सुनिता जैन
15.	26 मार्च	प्रात: 9 से 2 बजे तक	श्री दिगम्बर जैन मन्दिर लाल डिब्बा चौराहे के पास, मुरलीपुरा, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप वीर श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर सेवा समिति, मुरलीपुरा	श्री नीरज जैन श्री धर्मचन्द बड़जात्या	श्री पंकज जैन श्री नीरज जैन	-------	श्री आशीष जैन
16.	26 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	बंजी ठोलिया की धर्मशाला हल्दीयों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर	जौहरी बाजार महिला मण्डल जयपुर	डॉ. शीला जैन	डॉ. पुष्पा सौगानी	श्री श्रवण कुमार सुनिल, सौरभ गोदिका श्री शैलेश-सुनीता पाण्ड्या	श्रीमती नीरा लुहाड़िया, तरूणा संघी, विद्या कासलीवाल राज गोधा, सुधा शाह, सुधा वैद, इंदु संघी नलिनी कटारिया, रीना ठोलिया, अर्चना पाटनी मिनाक्षी सोनी, ममता शाह, उमा पाटनी, कविता अजमेरा साधना गोदिका, संगीता छाबड़ा, बबिता सोगानी
17.	26 मार्च	प्रात: 10 से 3 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर थड़ी मार्केट, मानसरोवर, जयपुर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति, थड़ी मार्केट श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर महिला मण्डल	श्री मोहनलाल गंगवाल श्री पवन कुमार जैन (नगीना वाले) श्रीमती भंवरी बाई	श्री गिरिश कुमार जैन श्री अनिल कुमार जैन	-------	श्री ज्ञानचन्द जैन श्री शरद हींगड़ डॉ. अजीत कुमार जैन
18.	26 मार्च	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर मधुवन, किसान मार्ग, टोंक फाटक, जयपुर	श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध समिति जय जिनेन्द्र महिला मण्डल सेवार्थ संगठन	श्री संतोष जैन अनोपड़ा श्रीमती उषा छाबड़ा	श्री अनिल छाबड़ा श्रीमती मंजू पहाड़िया	श्रीमती माणक देवी, दिलीप, किशोर, सुनील, अभिनव कासलीवाल श्री सुभाष चन्द-प्रभारानी जैन श्रीमती मनोरमा, सुनील, अनिल छाबड़ा	श्री राजेश छाबड़ा श्री जितेन्द्र पाटौदी
19.	26 मार्च	प्रात: 9 से 3 बजे तक	वर्धमान भवन, दिगम्बर जैन समाज समिति नेमीसागर कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर	श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति	श्री जे.के. जैन (कालाडेरा)	श्री प्रदीप निगोतिया	-------	श्री जयकुमार बड़जात्या, पूनम ठोलिया विपिन पाटनी, नीरज पहाड़िया विकास कासलीवाल, गौरव अजमेरा, राजेन्द्र सेठी
20.	27 मार्च	प्रात: 10 से 3 बजे तक	जिला सत्र न्यायालय, सांगानेर बम्बाला पुलिया, प्रताप नगर, जयपुर	दी बार ऐसोशिएशन, सांगनेर	एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन	एडवोकेट नेमीचन्द सांभरियां	-------	एडवोकेट सुरेन्द्र कुमार जैन एडवोकेट संजय कुमार जैन एडवोकेट अमित जैन
21.	29 मार्च	प्रात: 10 से 3 बजे तक	ARL Infratech Ltd. Village Dhami Khurd, bagru, N.H-8 Ajmer Hiway	ARL Infratech Ltd.	श्री नन्द किशोर, प्रमोद पहाड़िया	-------	-------	श्री मधु थानवी
22.	1 अप्रेल	प्रात: 10 से 4 बजे तक	Yes Boys PG Hostel 500 Surya Nagar, Near Gangotri Garden, Gopal Pura Bypass	सोशल एण्ड ब्लड एड सोसायटी	श्री राकेश गोदिका	श्री जयकुमार बड़जात्या	श्री अनिल जाट (स्व. श्री चौधरी रामनाथ जी बिजारणियां की पुण्य स्मृति में)	श्री मनीष लोंग्या, श्री सुधीर गोधा श्री अनिल रांवका, श्री अशोक सेठी
23.	2 अप्रेल	प्रात: 9 से 3 बजे तक	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट गली नं. 6, बरकत नगर, जयपुर	प्रज्ञा इंस्टीट्यूट ऑफ पर्सनेलिटी डवलपमेंट	श्री सौरभ जैन (डॉयरेक्टर)	अनिषा गोयल	-------	श्री जय सोनी श्री तरूण शर्मा
24.	2 अप्रेल	प्रात: 9 से 3 बजे तक	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर संघी जी सीटीएस बस स्टेण्ड, सांगानेर, जयपुर	श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर समिति जैन सोश्यल ग्रुप महानगर	श्री प्रेमचन्द बज श्री संजय जैन आवां	श्री सुरेश कासलीवाल श्री सुनील गंगवाल	-------	श्री पुखराज-गितीका जैन श्री अभय-अनिता बोहरा
25.	2 अप्रेल	प्रात: 9 से 1 बजे तक	पार्श्वनाथ भवन नाटाणियों का रास्ता, चौड़ा रास्ता	श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति	श्री देव प्रकाश खण्डाका	श्री ओमप्रकाश काला	श्रीमती ललिता जी जायसवाल (पार्षद)	श्री मुकेश जैन श्री रमेश गंगवाल श्री राजेश गंगवाल
26.	2 अप्रेल	प्रात: 9 से 2 बजे तक	अपेक्स इन्टरनेशनल स्कूल लालकोठी, जयपुर	जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल संगिनी फोरम, जयपुर	श्री अरूण-सुमन जैन श्रीमती मीना-सुनील चौधरी	श्री दिलीप-नमिता टकसाली श्रीमती अलका-सुधीर गोधा	श्री केशव (अज्जू जी)-सपना गोदिका (के.जी.जेम्स)	श्री संजय-मीनू जैन श्री ऋषभ-निशा जैन श्रीमती कविता-मंयक भोंच श्रीमती मिनाक्षी-मनीष जैन
27.	2 अप्रेल	प्रात: 10 से 1 बजे तक	एम्बीशन किड्स एकेडमी 62/121, प्रताप नगर, श्योपुर, मेन रोड़, सांगानेर	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर एम्बीशन किड्स एकेडमी	डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' डॉ. मनीष जैन 'मणि'	श्री विजय चंद कासलीवाल डॉ. अलका जैन	-------	डॉ. शान्ति जैन 'मणि' श्रीमती अनिता जैन श्रीमती भूमि जैन
28.	2 अप्रेल	प्रात: 9 से 1 बजे तक	जय सागर फार्म हाऊस सिमलियां रोड़, नवग्रह जैन मन्दिर के पास, वाटिका	सोशल एण्ड ब्लड एड सोसायटी	श्री राकेश गोदिका	श्री जयकुमार बड़जात्या	श्री मनीष-शोभना लोंग्या श्री सन्नी-रिद्धि लोंग्या	श्री राजेश-रानी पाटनी श्री दिलीप-प्रमिला पाटनी
29.	2 अप्रेल	प्रात: 9 से 1 बजे तक	श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर प्रांगण सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर	लाडो सामाजिक सेवा संस्थान "करो रक्तदान बनों महान"	श्री नितेश जैन श्री गौरी शंकर राजावत	श्रीमती मीनू जैन कु. हर्षिता जैन	श्री बाबूलाल जी, संदीप पाण्ड्या श्री सतीश अजमेरा श्री णमोकार जैन	श्री प्रद्युमन बाकलीवाल दीपक जैन, सौरभ अजमेरा सुमित पहाड़िया, सुनील चौधरी
30.	2 अप्रेल	प्रात: 8 से 2 बजे तक	वर्धमान हॉस्पिटल जयपुर रोड़, गंगापुर सिटी	दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी	श्री विमल जैन गोधा	डॉ. मनोज जैन	वर्धमान हॉस्पिटल गंगापुर सिटी	श्री नरेन्द्र-नीता जैन नृपत्या

समाज भूषण स्वर्गीय श्री राजेन्द्र के. गोधा जी की पुण्य स्मृति में

भक्तामर स्तोत्र दीप अनुष्ठान एवं जीवन रक्षक सम्मान समारोह-2023

(रक्तदान शिविर आयोजन करने में सहयोग करने वाली समस्त संस्थाओं का सम्मान किया जायेगा)

रविवार, 2 अप्रेल 2023
सायं 7.00 बजे से
छतरी वाला भाग, भट्टारक जी की नशियां
नारायण सिंह सर्किल, जयपुर

:: आयोजन समिति ::

मुख्य समन्वयक: यश कमल - संगीता अजमेरा
परामर्शक: दर्शन - विनीता बाकलीवाल
समन्वयक: मनीष - शोभना लोंग्या

सह-समन्वयक :: विनोद - हेमा सोगानी, चक्रेश -पिंकी जैन, अनिल-प्रेमा रांवका राजेश - रानी पाटनी, अनिल - ज्योति जैन चौधरी
संयोजक :: धीरज-सीमा पाटनी, नितेश-मीनू पाण्ड्या, संजय-ज्योति छाबड़ा, सपन-रजनी जैन छाबड़ा, पंकज-नीना जैन विजय-माया झांझरी, सुधीर-अलका गोधा, अजय-वर्षा बाकलीवाल

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

राजेश-सीमा बड़जात्या (अध्यक्ष), अनिल-शशि जैन (संस्थापक अध्यक्ष), निर्मल-सरला संघी (महासचिव), महेन्द्र कुमार पाटनी (वरिष्ठ परामर्शक), सुरेन्द्र-मदुला पाण्ड्या (परामर्शक), नवीन सेन-शशि जैन (परामर्शक), यशकमल-संगीता अजमेरा (निर्वतमान अध्यक्ष), अतुल-निलिमा बिलाला (पूर्व अध्यक्ष), पारस-मंजू जैन (कोषाध्यक्ष)

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका (अध्यक्ष), दिनेश-संगीता गंगवाल (परामर्शक), मनीष-शोभना लोंग्या (कार्याध्यक्ष), सुनील-सुनीता गोदिका (उपाध्यक्ष), चक्रेश-पिंकी जैन (उपाध्यक्ष), राकेश-रेणु संघी (उपाध्यक्ष), महेन्द्र-सुनिता कासलीवाल (उपाध्यक्ष), अनिल-निशा संघी (सचिव), कमल-मंजु ठोलिया (सांस्कृतिक सचिव), राजेश-रितु छाबड़ा (संगठन सचिव), राजेश-रानी पाटनी (संगठन सचिव), प्रदीप-प्राची बाकलीवाल (संयुक्त सचिव), चेतन-डॉ. अनामिका पापड़ीवाल (संयुक्त सचिव), राजेन्द्र-कुसुम जैन (खेल सचिव), अनिल-अनिता जैन (कोषाध्यक्ष)

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल-ज्योति चौधरी ※ डॉ अनुपम-विनीता जैन ※ सपन-रजनी छाबड़ा ※ नितेश-मीनू पाण्ड्या ※ विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ※ अशोक सेठी

सम्पर्क सूत्र :: 9414078380, 9829067076, 9785074581, 9887555249, 9414073035

मुद्रक : वर्धमान प्रिण्टर्स 9314263204

दिगम्बर जैन महासमिति के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का हुआ समापन

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। कस्बा स्थित श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में चल रहे दो दिवसीय श्री दिगंबर जैन महा समिति के राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार को डॉक्टर मनिंद्र जैन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्रीमती शीलाजी डोडिया के निर्देशन में समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन व महिला कॉग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष नीता डिसूजा थे।इस अवसर महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडिया ने कहा कि महसमिति मैं पुरुष वर्ग को भी अधिकाधिक व्यक्तियों को जोड़े जिससे समिति का वर्चस्व बढ़े। अध्यक्ष अतुल पाटनी व महामंत्री कमल गंगवाल ने बताया कि इस अवसर पर श्री महावीर जी के कॉलेज व विद्यालय के 600 निर्धन छात्र छात्राओं को यूनिफॉर्म राकेश पालीवाल के सहयोग से वितरित गए। प्रवक्ता संजय कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर अजमेर जिले एवं श्री महावीर जी क्षेत्र मैं समाज सेवा में अग्रणी व सराहनीय कार्य करने हेतु अध्यक्ष अतुल पाटनी व उनकी समिति एवं श्री महावीर जी के जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन का डॉक्टर मनिंद्र जैन द्वारा हार्दिक स्वागत तिलक माल्यर्पण व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। और उन्होंने कहा कि अजमेर की पूरी टीम आगे भी ऐसे ही सराहनीय कार्य करती रहेगी। अजमेर से दिगम्बर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी, राकेश पालीवाल, मधु पाटनी, प्रकाश पाटनी, महामंत्री कमल गंगवाल, अमित वैद, संजय जैन, श्रेयांस पाटनी, मनीष अजमेरा,दीपक दौसी, देवर्ष गंगवाल आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन मे अध्यक्ष अतुल पाटनी ने अधिवेशन मैं आये देश विदेश से आये सभी समिति के हजारों कार्यकर्ताओं का हार्दिक धन्यवाद दिया।

जैनदर्शन में श्रुतज्ञान विषय पर बाहुबली विद्यापीठ श्रवणबेलगोला में हुआ डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत का व्याख्यान

बाहुबली विद्यापीठ की ओर से किया गया भव्य बहुमान

श्रवणबेलगोला. शाबाश इंडिया

'जैनदर्शन में श्रुतज्ञान' विषय पर बाहुबली विद्यापीठ श्रवण बेलगोला में 18मार्च को अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्रि-परिषद के यशस्वी अध्यक्ष, व्याख्यानवाचस्पति, मूर्धन्य विद्वान डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत का व्याख्यान हुआ। व्याख्यान धवल तीर्थ बाहुबली विद्या पीठ परिसर में हुआ। प्रेरणा और आशीर्वाद स्वस्तिश्री चारुकीर्ति महास्वामी जी का रहा। क्षुल्लक श्री प्रमेयसागर जी, भट्टारक श्री आगमकीर्ति मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अध्यक्षता प्रोफेसर जय कुमारजी उपाध्ये ने की। विद्यापीठ के सभी ट्रस्ट कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों के साथ में ऑन लाइन सैकड़ों श्रोता व्याख्यान में जुड़े रहे। प्रभावक व्याख्यान में डॉ. श्रेयांस कुमार जी जैन बड़ौत ने श्रुतज्ञान मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता सिद्ध की। केवलज्ञान और श्रुतज्ञान की समानता बताई, उन्होंने कहा कि मात्र प्रत्यक्ष और परोक्ष का ही अंतर है। इन्द्रियों से होने वाला यह मतिज्ञान अत्यन्त अल्प है। अवधिज्ञान अवधि - सीमा से सहित है, आश्चर्य से युक्त मनःपर्ययज्ञान किसी मुनि विशेष के होता है फिर भी अत्यन्त

अल्प है और केवलज्ञान रूप ज्योति इस समय अत्यन्त दुर्लभ होने से मात्र कथा का विषय है; परन्तु श्रुतज्ञान समस्त पदार्थों को विषय करता है तथा सुलभ भी है। अतः इसके माहात्म्य का क्या वर्णन करें अर्थात विशेष विचारणीय है। इसलिए प्रकृत में श्रुतज्ञान का वैशिष्ट्य बताते हुए इसके दार्शनिक पक्ष पर विचार किया जा रहा है। श्रुतज्ञान मतिज्ञान पूर्वक होता है। अर्थात मतिज्ञान के बाद अस्पष्ट अर्थ की तर्कणा को लिए हुए जो ज्ञान होता है वह श्रुतज्ञान कहलाता है। द्रव्यध्वनि दिव्य वचनों द्वारा जिनेन्द्र भगवान से उपदिष्ट सूत्र द्रव्यश्रुत है, उनका ज्ञप्तिज्ञान है। अर्थात शब्द श्रुत के अक्षर से जो ज्ञप्ति (जानना) है वह ज्ञान कहता है, उसी ज्ञान को सूत्र की ज्ञप्ति श्रुतज्ञान कहलाती है। श्रुतज्ञान को तर्क भी कहते हैं। इस श्रुतज्ञान में समस्त पदार्थों तक को जानने की सामर्थ्य है। आचार्यों ने इसे केवलज्ञान सदृश कहा है- द्वादशांग और चौदह पूर्व रूप परमागम संज्ञा वाला द्रव्यश्रुत है, वह मूर्त और अमूर्त दोनों प्रकार के द्रव्यों के ज्ञान के विषय में परोक्ष की व्याप्तिज्ञान रूप से केवलज्ञान के सदृश है। केवलज्ञान और स्याद्वाद श्रुत में तत्त्वों को जानने में मात्र साक्षात (प्रत्यक्ष) एवं असाक्षात (परोक्ष) का भेद हैं। इन दोनों में से किसी एक के भी अभाव में वस्तु की सिद्धि नहीं होती है। श्रुतज्ञान को भट्टाकलंकदेव ने द्रव्य आदि सामान्य से अनादि निधन कहा है। किसी पुरुष ने कहीं भी किसी भी प्रकार से द्रव्य सामान्य आदि की रचना नहीं की है। श्रुतज्ञान के दार्शनिक पक्ष को देखा जाय तो उन्हें द्रव्य आदि विशेष नय की अपेक्षा उसका आदि और अन्त संभव है इसलिए मतिज्ञान पूर्वक होता है। दार्शनिक दृष्टि कारण-कार्य सम्बन्ध की ही होती है। मतिज्ञान कारण है और श्रुतज्ञान कार्य है यह बीजांकुरवत अनादिनिधन है। कारण कार्य सम्बन्ध दार्शनिक विषय है, इस श्रुतज्ञान के विषय को आचार्य श्री अमृतचन्द्र स्वामी सम्यग्दर्शन कारण और सम्यग्ज्ञान कार्य को प्रस्फुटित करते हुए कहते हैं-एक समय में उत्पन्न हुए सम्यग्दर्शन और सम्यग्ज्ञान में कारण कार्य भाव दीप और प्रकाश के समान भले प्रकार घटित होता है। अर्थात जिस समय दीप जलाया जाता है उसी समय उसके जलने के साथ ही प्रकाश भी उत्पन्न हो जाता है। प्रकाश की उत्पत्ति में दीप कारण है। प्रकाश उसका कार्य है; परन्तु दोनों ही एकक्षण में उत्पन्न होते हैं। उसी प्रकार सम्यग्दर्शन और सम्यग्ज्ञान दोनों साथ ही साथउत्पन्न होते हैं। सम्यग्दर्शन और सम्यग्ज्ञान दोनों ही श्रुतज्ञान के विषय हैं, इनकी कारण कार्य व्यवस्था को स्पष्ट करना इनका दार्शनिक पक्ष है। इस मौके पर भट्टारकजी स्वस्ति श्री चारुकीर्ति स्वामी जी ने डॉ श्रेयांस जी को शाल, श्रीफल, कलश भेंटकर सम्मानित किया। बाहुबली विद्यापीठ के पदाधिकारियों ने शाल, माला, स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। उक्त जानकारी डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने दी।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)